उप–लोक आयुक्त, मध्य प्रदेश के समक्ष

परिवादी– श्री ––––––––––––––––––आत्मज––––––––––––––––––––––

विषयः––––––––––––––––––––––––––मैं––––––––––––––––––––पद धारण करने वाले श्री––––––––––––––––––––आत्मज––––––––––––––––––––––– के विरूद्ध अभिकथन.

ऊपर नामांकित परिवादी का यह समाधान हो गया है कि–

(एक) ऐसे लोक सेवक ने अपने स्वयं के लिये या किसी अन्य व्यक्ति के लिये कोई अभिलाभ या अनुग्रह अभिप्राप्त करने के लिये या किसी व्यक्ति को असम्यक अपहानि पहुँचाने के लिये अपने पद का उस पद की हैसियत से दुरूपयोग किया है, और/या

(दो) ऐसा लोक सेवक ऐसे लोक सेवक के रूप में अपने कृत्यों का निर्वहन करने में अनुचित या भृष्ट हेतु से प्रेरित हुआ था, और/या

(तीन) ऐसा लोक सेवक भ्रष्टाचार का दोषी है, और/या

(चार) ऐसे लोक सेवक के कब्जे में धन सम्बन्धी ऐसे संसाधन हैं या ऐसी सम्पत्ति है जो कि आय के उसके ज्ञात स्त्रोत के अनुपात में नहीं है और धन संबंधी ऐसा संसाधन या ऐसी सम्पत्ति लोक सेवक द्वारा वैयक्तिक रूप से या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य द्वारा या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धारित है।

(ऐसे खण्ड या खण्डों को काट दीजिये जो शिकायत में सुसंगत न हों)

अभिकथनों के समर्थन के लिये आवेदक निम्नलिखित तथ्यों पर विश्वास करता हैः–

(1) ––
––
––
––

(2) ––
––
––
––

(3) ——
——
——
——

(4) ——
——
——
——

आदि.

<u>प्रार्थना</u>

अतएव प्रार्थना है कि उक्त लोक सेवक के विरूद्ध जांच की जाए.

————————————

आवेदक के हस्ताक्षर

<u>सत्यापन</u>

मैं ———————————————आत्मज——————————————— निवासी————————————————————————एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ कि शिकायत के पैरा——— से ——— तक में मेरे द्वारा कथित तथ्य मेरे व्यक्तिगत ज्ञान के अनुसार सत्य हैं और/या —————————————— (नाम लिखिए) से प्राप्त जानकारी और/या दस्तावेजों पर आधारित है,और जिनके सत्य होने पर मुझे विश्वास है।

————————————

आवेदक के हस्ताक्षर